पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों की भरपाई के लिए 51 प्रतिशत लोगों ने अन्य खर्चों में कटौती की

नई दिल्ली, 22 फरवरी (ए)। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के पार हो गया है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों की भरपाई के लिए 51 प्रतिशत लोग अन्य खर्चों में कटौती कर रहे हैं। लोकलसर्किल्स के एक सर्वे में यह बात सामने आई है।

आवश्यक वस्तुओं पर खर्च में कटौती कर रहे हैं लोग: सर्वे में शामिल 21 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि वे पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों की भरपाई के लिए आवश्यक वस्तुओं पर खर्च में कटौती कर रहे हैं। जबकि 14 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें अपनी सेविंग्स में कटौती करनी पड़ रही है। सर्वे में शामिल 43 प्रतिशत लोगों ने कहा कि कम घूमने, वर्क फ्रॉम होम या अन्य कारणों से उनका पेट्रोल या डीजल का मासिक बिल पहले के मुकाबले कम है। वहीं, 2 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे पेट्रोल-डीजल पर कोई पैसा खर्च नहीं करते हैं।

राज्य सरकारों को वैट में कमी करनी चाहिए: एक सवाल के जवाब में 32 प्रतिशत लोगों ने कहा कि राज्य सरकारों को बेस प्राइस पर प्रतिशत के बजाए संपूर्ण वैल्यू के आधार पर वैल्यू एडेड टैक्स लेना चाहिए। सर्वे में शामिल 47 प्रतिशत लोगों ने कहा कि राज्य सरकारों को वैट में कटौती करनी चाहिए। हालांकि, 8 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने कहा कि वैट का मौजूदा मॉडल अच्छा है।

79 प्रतिशत लोगों ने कहा- राज्य सरकारों को एक्शन लेना चाहिए: सर्वे में शामिल 79 प्रतिशत लोगों ने कहा कि राज्य सरकारों को पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए। इसके लिए वैट में कटौती की जाए या फिर संपूर्ण मूल्य पर लेवी ली जाए। बेस प्राइस पर प्रतिशत के हिसाब से वैट लगाने के बजाए संपूर्ण मूल्य पर लेवी से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को कम रखने में मदद मिलेगी।

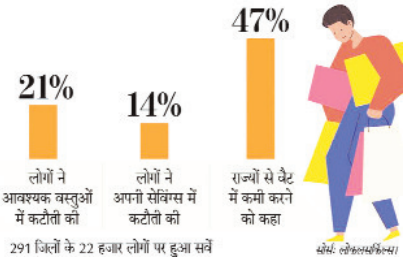

इसके अलावा इससे भविष्य में पेट्रोल-डीजल के बेस प्राइस में बढ़ोतरी से भी कीमतों में कमी रहेगी।

291 जिलों में किया गया सर्वे: बीते 12 महीनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इससे लोग कैसे निपट रहे हैं? यह जानने के लिए लोकलसर्किल्स ने यह सर्वे किया है। यह सर्वे देश के 291 जिलों में किया गया है। सर्वे में 22 हजार से ज्यादा लोगों से सवाल-जवाब किए गए थे।

लगातार दूसरे दिन नहीं बढ़ी कीमत: पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार 12 दिनों तक बढ़ोतरी के बाद बीते दो दिनों से कीमत नहीं बढ़ी है। इस समय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 90.58 रुपए और डीजल 80.97 रुपए प्रति लीटर है। इसी तरह मुंबई में पेट्रोल 97.00 रुपए और डीजल 88.06 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 91.78 और डीजल 84.56 रुपए प्रति लीटर तथा चेन्नई में पेट्रोल 92.59 रुपए और डीजल 85.98 रुपए लीटर है।

52 दिनों में ही 24 बार बढ़े दाम: इस महीने 21 फरवरी तक पेट्रोल-डीजल के रेट में 14 बार बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान दिल्ली में पेट्रोल 4.03 रुपए और डीजल 4.24 रुपए महंगा हुआ है। इससे पहले जनवरी में रेट 10 बार बढ़े। इस दौरान पेट्रोल की कीमत में 2.59 रुपए और डीजल में 2.61 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं, अगर 2021 की बात करें तो इस साल अब तक 52 दिनों में 24 बार दाम बढ़े हैं। पेट्रोल 6.77 रुपए और डीजल 7.10 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है।

पेट्रोल-डीजल महंगा होने की 3 वजहें: कच्चा तेल 13 महीनों में सबसे महंगे स्तर पर है। इस साल कच्चा तेल अब तक 23 प्रतिशत तक महंगा हो चुका है। 1 जनवरी को ब्रेंट क्रूड का रेट 51 डॉलर प्रति बैरल था। अब यह 63 डॉलर के पार निकल गया है। इसकी वजह यह है कि दुनियाभर में आर्थिक गतिविधियों में पॉजिटिव ग्रोथ देखी जा रही है। इससे फ्यूल डिमांड बढ़ी है। केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी नहीं घटा रही। अगर दिल्ली का उदाहरण लें तो यहां एक लीटर पेट्रोल पर 32.90 रुपए और डीजल पर 31.80 रुपए की एक्साइज ड्यूटी लगती है। राज्य सरकारें पेट्रोल-डीजल पर वैट भी लगाती हैं। जैसे- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल में वैट के 20.61 रुपए शामिल हैं।

असम और पश्चिम बंगाल ने कीमतों में कटौती की: आम लोगों को राहत देने के लिए पश्चिम बंगाल और असम ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की है। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 1 रुपए प्रति लीटर की कटौती की है। यह कटौती रविवार रात से लागू हो गई है। भाजपा शासित राज्य असम ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 5 रुपए प्रति लीटर की कटौती की है। राज्य के वित्त मंत्री हेमंता विश्वासर्मा ने 12 फरवरी को विधानसभा में इसकी घोषणा की थी।

सोनिया गांधी ने बढ़ी कीमत वापस लेने की मांग की: कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तेल पर लगाए जा रहे टैक्स को घटाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने लिखा है कि इनके दाम इन दिनों ऐतिहासिक ऊंचाई पर हैं। मुझे समझ नहीं आता कि कैसे कोई सरकार ऐसे विचारहीन और असंवेदनशील फैसलों को सही ठहरा सकती है? इन फैसलों से देश की जनता पर बोझ बढ़ रहा है। सोनिया ने पीएम को चिट्ठी में लिखा, मैं आपसे निवेदन करती हूं कि कीमत में बढ़ोतरी को जल्द से जल्द वापस लिया जाए और हमारे मिडिल क्लास, सैलरीड क्लास, हमारे किसानों और गरीबों के साथ देश की आम जनता को राहत दी जाए।

संक्षिप्त समाचार

मुकेश अंबानी बनाने जा रहे हैं दुनिया का सबसे बड़ा चिड़ियाघर, 2023 में खुलने की उम्मीद

मुंबई, 22 फरवरी (ए)। देश के सबसे अमीर शख्स और सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक मुकेश अंबानी एक चिड़ियाघर बनाने जा रहे हैं। अंबानी अपने गृह राज्य गुजरात में यह चिड़ियाघर बनाने जा रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुनिया के सबसे बड़े चिड़ियाघरों में से एक होगा। गुजरात में ही उनका समूह सबसे बड़े तेल रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स का संचालन करता है। रिलायंस में कॉरपोरेट अफेयर्स डायरेक्टर परिमल नाथवानी के मुताबिक, चिड़ियाघर के 2023 में खुलने की उम्मीद है। इसमें स्थानीय सरकार की मदद करने के लिए एक रेस्क्यू सेंटर भी शामिल रहेगा। ब्लूमबर्ग बिलेनियन इंडेक्स के अनुसार, मौजूदा समय में मुकेश अंबानी दुनिया के 11वें सबसे अमीर शख्स हैं और वे 80.9 अरब डॉलर (करीब 5794.18 अरब रुपए) की संपत्ति के मालिक हैं। फोर्ब्स बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, अंबानी दुनिया के 12वें सबसे अमीर आदमी हैं। उनकी संपत्ति 79.1 अरब डॉलर है। हाल ही में चीनी कारोबारी झोंग शानशान ने उनसे एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज छीन लिया था। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण (बाजार हैसियत) में बढ़त दर्ज की गई। आरआईएल की बाजार हैसियत 24,914 करोड़ रुपए बढ़कर 13,18,952.34 करोड़ रुपए हो गई। पिछले कारोबारी दिन रिलायंस का शेयर 2080.30 के स्तर पर बंद हुआ था और आज दोपहर 12.40 बजे यह 40.50 अंक गिरकर 2039.80 के स्तर पर था।

आईटी उद्योग में 90 प्रतिशत से अधिक लोग घर से काम कर रहे हैं: प्रेमजी

बेंगलुरु, 22 फरवरी (ए)। आईटी उद्योग की दिग्गज हस्ती अजीम प्रेमजी ने रविवार को कहा कि देश के प्रौद्योगिकी उद्योग में 90 प्रतिशत से अधिक लोग अभी भी घर से काम कर रहे हैं और उन्होंने कामकाज के इस मिले-जुले मॉडल की सराहना की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, कोविड-19 के चलते लागू लॉकडाउन के पहले कुछ हफ्तों में प्रौद्योगिकी उद्योग के 90 प्रतिशत लोग घर से काम करने लगे थे और आज भी 90 प्रतिशत से अधिक लोग घर से काम कर रहे हैं। प्रेमजी ने बैंगलोर चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार और आईटी उद्योग ने स्थायी रूप से एक मिश्रित मॉडल के फायदों को स्वीकार किया है, जहां लोग महामारी के बाद भी कार्यालय और घर, दोनों जगह से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मिले-जुले मॉडल के व्यापक तुलनात्मक लाभ होंगे और यह समावेशी विकास, देश के सभी हिस्सों की बेहतर भागीदारी तथा महिलाओं को घर से काम करने के लिए लचीलापन देगा। उन्होंने कहा, ''आज प्रौद्योगिकी हमारे लिए जीवन रेखा बन रही है। उन्होंने लोगों से कुछ न कुछ परोपकार के कामों में शामिल रहने की अपील की और कहा कि परोपकार हमेशा भारत की संस्कृति और परंपरा का हिस्सा रहा है।

सीएनजी वाहनों की बढ़ी मांग को भुनाने के प्रयास में है मारुति सुजुकी

नई दिल्ली, 22 फरवरी (ए)। पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों के बीच मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) अपने सीएनजी वाहनों की बढ़ी मांग को भुनाने में लगी है। कंपनी चालू वित्त वर्ष में सीएनजी वाहनों की बिक्री में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी अभी भारत में कुल उपलब्ध 14 में से आठ मॉडलों में सीएनजी विकल्प प्रदान करती है। कंपनी इस पोर्टफोलियो के विस्तार के लिये भी सक्रिय रूप से काम कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ''इस साल उद्योग में सीएनजी (वाहन) लगभग 37 प्रतिशत बढ़ा है, जब अप्रैल-जनवरी की अवधि में कुल वृद्धि नकारात्मक (18 प्रतिशत गिरावट) रही है। इसका मतलब है कि सीएनजी विकल्प बहुत अच्छी तरह से बढ़ रहा है। यह बताते हुए कि सीएनजी वाहनों की मांग क्यों बढ़ गई है, उन्होंने कहा कि ईंधन के रूप में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। इससे वाहनों को चलने की लागत बढ़ गई है। श्रीवास्तव ने कहा, ''सीएनजी पर वाहन चलाने की लागत केवल 1.5 रुपए प्रति किलोमीटर है।

सरकार मददगार, निजी क्षेत्र है वृद्धि का वाहक: सीतारमण

बेंगलुरु, 22 फरवरी (ए)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2021-22 में सरकार एक मददगार की भूमिका में है और निजी क्षेत्र वृद्धि का प्रमुख वाहक है, जिसके बिना देश एक बड़ा अवसर खो सकता है। उन्होंने बेंगलौर चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यहां सबसे महत्वपूर्ण बात निजी क्षेत्र की भागीदारी है। जब तक निजी क्षेत्र में पर्याप्त ऊर्जा नहीं होगी, जब तक निजी क्षेत्र को पर्याप्त सुविधा नहीं दी जाएगी, तक तक भारत सिर्फ एक बहुत बड़ा अवसर खोता रहेगा।

सीतारमण ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में देश की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और जरूरतों को सिर्फ राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा मिलकर पूरा नहीं किया जा सकता। वित्त मंत्री के मुताबिक कोरोना वायरस वैक्सीन का विकास सरकारी-निजी भागीदारी का एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक वैश्विक नेता के रूप में भारत अधिक मानवीय है, हर किसी को एक साथ लाने का इच्छुक है, शांतिपूर्ण है, जो वास्तव में सभी की भलाई के लिए दुनिया की तरक्की चाहता है। उन्होंने कहा, ''अगर भारत को इस तरह अपनी जिम्मेदारी निभानी है, तो यह तब तक अधूरा रहेगा, जब तक कि सरकार अपनी भूमिका नहीं निभाती।

50 हजार रूपये के नीचे फिसला सेंसेक्स

मुंबई, 22 फरवरी (ए)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में भारी गिरावट रही। क्रश्च सेंसेक्स 1,145 अंक गिरकर 49,744.32 और निफ्टी 306.05 अंक टूटकर 14,675.70 पर बंद हुआ है। एचडीएफसी, रिलायंस, आइटीसी और टीसीएस ने बाजार पर दबाव बनाया है। इसके अलावा बैंकिग और ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी आउटपरफॉर्म है। सुबह इंडेक्स ने दिन के सबसे ऊंचे स्तर 50,986.03 को भी टच किया। चौतरफा गिरावट के चलते लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 4.1 लाख करोड़ रुपए घटकर 199.88 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो शुक्रवार को 203.98 लाख करोड़ रुपए था। भारत में कोविड-19 मामलों की बढ़ती चिंताओं से बाजार की प्रभावित हो रहा है। महाराष्ट्र ने पिछले सप्ताह कोविड-

19 के मामलों में हुए इजाफे के बाद नए नियम जारी किए हैं। पिछले चार हफ्तों में, राज्य में बढ़े कोरोना के मामलों से सभी लोग काफी चिंतित हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि 10 साल की बॉन्ड यील्ड बढ़ने से बाजार में चिंता है। यह मुद्रास्फीति का भी कारण हो सकता है। इसके अलावा, यह इक्विटी वैल्यूएशन की तुलना में बढ़ा हुआ दिखाई दे रहा है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के विजयकुमार के मुताबिक, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में 1.36 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है, जो मुद्रास्फीति में संभावित वृद्धि के बारे में बाजारों की चिंता को दर्शाता है।

एफपीआई इंफ्लो में गिरावट: विशेषज्ञों ने बताया कि बढ़ते कोरोना वायरस मामलों और उच्च मूल्यांकन पर चिंता का विषय एफपीआई इंफ्लो भी है। भले ही एफपीआई भारतीय बाजार में खरीदारी कर रहा हो लेकिन प्रवाह की गति धीमी हो गई है। क्रश्च पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई नेट ने 19 फरवरी को भारतीय इक्विटी बाजार में 118.75 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

ग्लोबल संकेतों का असर: ग्लोबल संकेतों से निवेशकों में घर वापसी देखने को मिली है। रॉयटर्स की खबर के मुताबिक, एशियाई बाजारों में सोमवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिला है। पिछले हफ्ते, निफ्टी में गिरावट का रुख देखने को मिला है। समीत चव्हाण, चीफ एनालिस्ट-टेक्निकल एंड डेरिवेटिव्स, एंजेल ब्रोकिंग ने कहा कि हमें निफ्टी के 14,750-14,550 के प्रमुख सपोर्ट जोन पर नजर बनाकर रखनी है।

दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार के चलते कच्चे तेल की खपत बढ़ी

नई दिल्ली, 22 फरवरी (ए)। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई हैं। ज्यादातर राज्यों में पेट्रोल की कीमत पहली बार 100 रुपए प्रति लीटर के पार हो गया है। आने वाले दिनों में भी कीमत घटने की संभावना नहीं है, क्योंकि इंटरनेशनल ऑयल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत बढ़ेगी। इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने कहा कि इस साल जुलाई तक कच्चे तेल की खपत प्री-कोविड स्तर पर पहुंच जाएगा। क्योंकि कोरोना मामलों में गिरावट के बीच इंडस्ट्रियल एक्टिविटी लगातार बढ़ रही है। जबकि तेल उत्पादक समूह ओपेक प्लस और ईरान द्वारा तेल उत्पादन में कटौती जारी है। ऐसी स्थिति में

कच्चा तेल 10 डॉलर प्रति बैरल और महंगा हो सकता है।

तीन महीने में कच्चा तेल प्रति बैरल 10 डॉलर महंगा होगा: बढ़त के बाद ब्रेंट क्रूड 70 -75 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा। यह 22 फरवरी सुबह 63.11 डॉलर प्रति बैरल पर है। गोल्डमैन सैश के मुताबिक इस साल कच्चे तेल की कीमत में 22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। दूसरी ओर अमेरिकी सरकार हाल फिलहाल में ईरान द्वारा ऑयल प्रोडक्शन को बढ़ाने नहीं देगी। इससे क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ेंगी।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी रविवार को कहा कि फ्यूल की कीमत बढ़ने की दो मुख्य वजह हैं। पहला, इंटरनेशनल मार्केट ने फ्यूल उत्पादन कम कर दिया है और दूसरा, ज्यादा फायदे के लिए मैन्युफैक्चरिंग देश कम फ्यूल का उत्पादन कर रहे है। इससे उपभोक्ता देशों को दिक्कत हो रही है। देश में 22 फरवरी को लगातार दूसरे दिन भी फ्यूल की कीमतें स्थिर रहीं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 90.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 80.97 रुपए पर बिक रहा है।

जल्द ही फिर उड़ान भरेगी दिवालिया हो चुकी जेट एयरवेज

नई दिल्ली, 22 फरवरी (ए)। देश की सबसे पुरानी प्राइवेट एयरलाइन जेट एयरवेज की फ्लाइट्स एक बार फिर से उड़ान भरने को तैयार हैं। कंपनी को नया खरीदार मिल गया है। लेनदारों की समिति द्वारा दिवालिया हो चुकी जेट एयरवेज की बोली को जालान कल्रॉक कंसोर्टियम ने जीत लिया है। कंसोर्टियम अब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल से रिजॉल्यूशन प्लान की मंजूरी मिलने के बाद चार से छह महीनों में डिफॉल्ट एयरलाइन के परिचालन को फिर से शुरू कर सकती है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी है। शुरुआत में जेट एयरवेज लगभग 25 विमानों के साथ उड़ान शुरू करेगा। जालान एक अधिकारी ने फोन पर बातचीत में अखबार से कहा कि एनसीएलटी के फैसले के बाद हम चार से छह महीने के भीतर विमान सेवा शुरू कर पाएंगे। कंपनी भारतीय विमानन के बारे में बहुत सकारात्मक है और भविष्य उज्ज्वल है। एनसीएलटी की ओर से मंजूरी मिलने के बाद रिजॉल्यूशन प्लान को सिविल एविएशन मंत्रालय के पास भेजा जाएगा। उसके बाद इसे सिविल एविएशन डायरेक्टरेट के पास भेजा जाएगा। बता दें कि भारी घाटे और कर्ज के कारण जेट एयरवेज अप्रैल 2019 में बंद हो गई थी। उस समय कंपनी के प्रमोटर नरेश गोयल को 500 करोड़ रुपए की जरूरत थी, लेकिन वे इसे जुटा नहीं पाए। हालात यह हो गई कि कर्मचारियों की सैलरी और अन्य खर्च भी नहीं निकल पा रहे थे। जेट एयरवेज बंद होने के बाद इसके करीब 17 हजार कर्मचारी सड़कों पर आ गए थे।

भारतीय कपास निर्यात बढ़कर इस बार 70 लाख गांठ होने की संभावना

नई दिल्ली, 22 फरवरी (ए)। देश के विभिन्न कपास पैदावार राज्यों में अब तक लगभग 2.67 से 2.70 करोड गांठ आमद होने की सूचना है। वहीं, दैनिक कपास आमद घटकर 85000-100000 गांठ की रह गई है क्योंकि किसान तेजी में है और उनका मानना है कि कपास के भाव जल्दी ही 6500-7000 रूपए प्रति क्विंटल हो जाएंगे।

कपास उत्पादन व उपयोग समिति ने चालू कपास सीजन दौरान देश में 3.65 करोड़ गांठ की तुलना में इस बार 3.71 लाख गांठ उत्पादन की संभावना जताई है जबकि कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सी.ए.आई.) ने 3.60 करोड़ गांठ कपास के उत्पादन का अनुमान लगाया है। लेकिन रई बाजार के तेजी में फूंके कारोबारियों के यह आंकड़े गले नीचे नहीं उतर रहें हैं। इनका कहना है कि उत्पादन अधिक से अधिक 3.35 करोड़ गांठ रह सकता है। जानकार सूत्रों के अनुसार इस साल भारत का कपास निर्यात लगभग 30 प्रतिशत बढ़ सकता है क्योंकि वैश्विक कीमतों में वृद्धि ने फाइबर को प्रतिस्पर्धी बना दिया है।

कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरैक्टर प्रदीप कुमार अग्रवाल के अनुसार भारत से विभिन्न देशों को कपास निर्यात पिछले

साल की तुलना में इस बार 65 से 70 लाख गांठ के बीच हो सकता है। पिछले साल 50 लाख कपास विभिन्न देशों को निर्यात हुई थी। सी.सी.आई. के सी.एम.डी.पी. के. अग्रवाल के अनुसार उन्हें बड़ी उम्मीद है कि इस बार भारत के कुल कपास निर्यात में भारतीय कपास निगम का 10 लाख गांठ का हिस्सा बन सकता हैं। निर्यात की मांग अच्छी है।

अग्रवाल ने कहा कि भारतीय कपास अभी भी दुनिया में सबसे सस्ती है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देशों से अच्छी मांग है। बांग्लादेश भारतीय कपास का सबसे बड़ा खरीददार है। तुर्की और इंडोनेशिया अन्य खरीददार हैं। पाकिस्तान को भी कपास की जरूरत है क्योंकि इस साल उसकी फसल कम है। अमेरिकी राष्ट्रीय कपास परिषद की वैश्विक अर्थव्यवस्था तेजी से ठीक हो रही है और मिलें अधिक कपास खरीद रही हैं।

अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका की कम फसल को भी भारतीय निर्यातकों के लिए सकारात्मक माना जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर केंद्र की खरीद योजना के तहत सी.सी.आई. ने इस साल 17 फरवरी तक 91,47,724 लाख गांठ कपास सीधी किसानों से खरीद की है जिस पर 26,678.10 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं जिससे 18 93,664 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। इस दौरान ही बाजार जानकारों का कहना है बाजार में कपास कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक बिकने के कारण सी.सी.आई. बाजार से लगभग आऊट हो गई हैं।

आज सी.सी.आई. 5000 गांठ से नीचे ही कपास खरीद पाती हैं जबकि देश में दैनिक कपास आमद 1 लाख गांठ तक मंडियों में आ रही हैं। रुई बाजार में कई हफ्तों से तेजी का सिलसिला जारी है। अधिकतर कपास जिनर (रूई विकवाल) की तेजी में धारणा है। भारत से अबतक 36-37 लाख गांठ कपास निर्यात और करीब 5.50 से 6 लाख गांठ आयात होने की सूचना है।